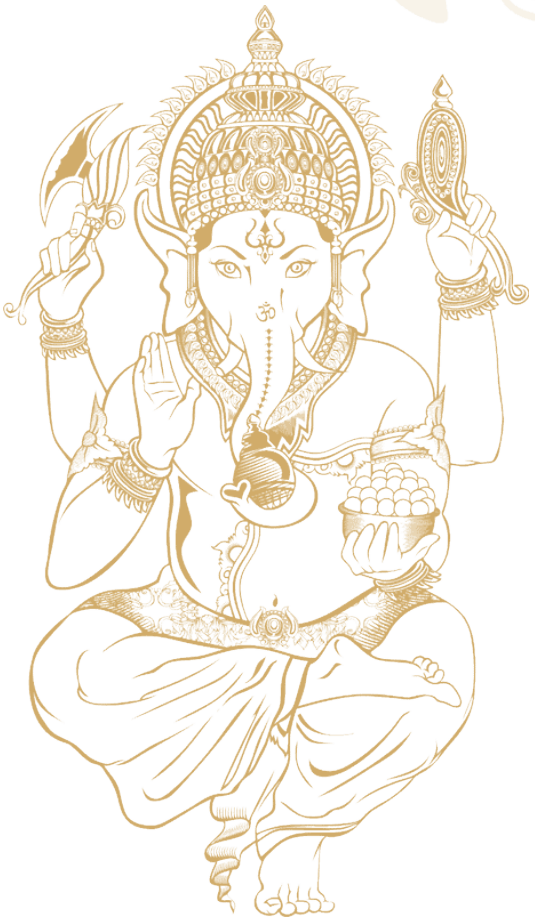

Mr.

19 Sep 2006

09:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121723914

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/09/2006**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:00:00 घंटे**
इष्ट	37:10:13 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:06:05 घंटे
साम्पातिक काल	20:32:27 घंटे
सूर्योदय	06:07:54 घंटे
सूर्यास्त	18:21:38 घंटे
दिनमान	12:13:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	02:36:11 कन्या
लग्न के अंश	26:47:14 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	26:47:14	423:25:06	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	02:36:11	00:58:37	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	सम राशि
चंद्र			सिंह	01:46:57	11:54:12	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	कन्या	13:29:05	00:39:07	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध			कन्या	17:16:01	01:35:58	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु			तुला	22:27:32	00:10:35	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	22:38:18	01:14:34	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
शनि			कर्क	26:12:02	00:06:43	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु			मीन	01:25:41	00:00:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु			कन्या	01:25:41	00:00:10	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	18:14:14	00:02:18	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
नेप	व		मक	23:29:35	00:01:10	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो			धनु	00:11:00	00:00:28	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			मक	11:47:37	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:05

लग्न-चलित

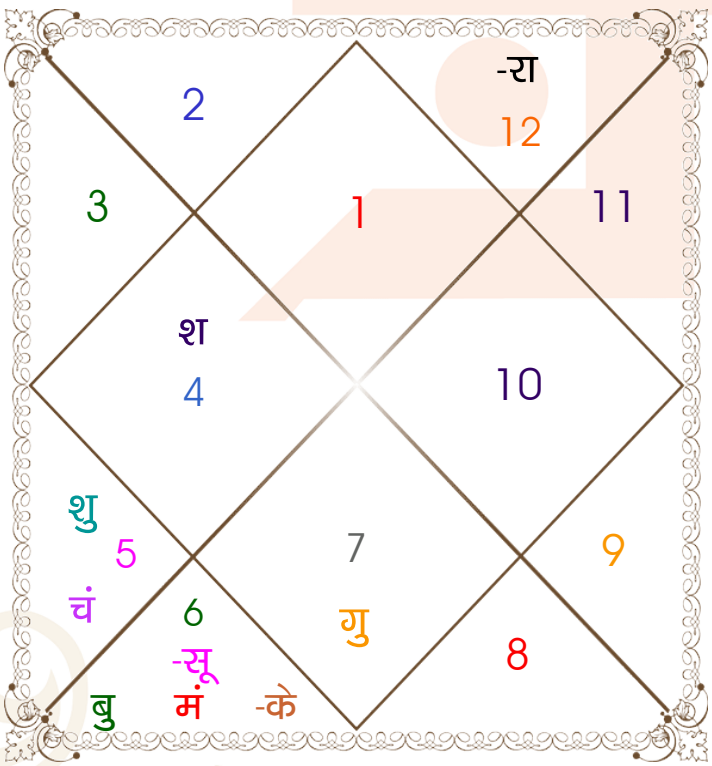

चन्द्र कुंडली

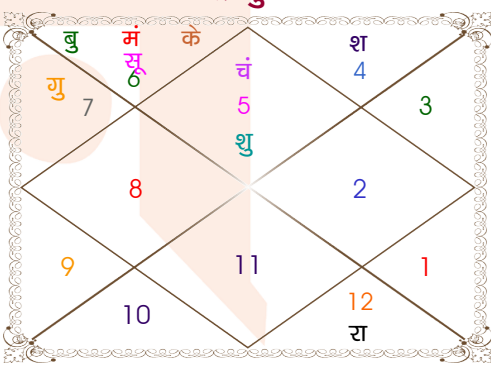

नवमांश कुंडली

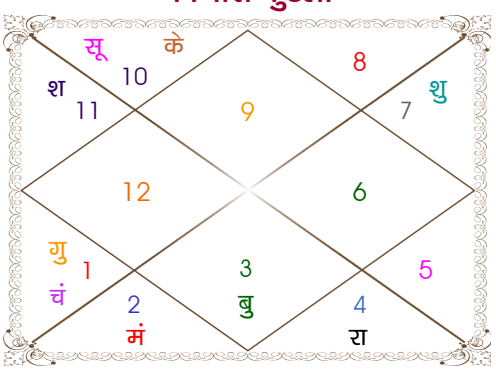

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 0 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/09/2006		12/10/2012		12/10/2032		13/10/2038		12/10/2048	
12/10/2012		12/10/2032		13/10/2038		12/10/2048		13/10/2055	
	19/09/2006	शुक्र	12/02/2016	सूर्य	30/01/2033	चंद्र	13/08/2039	मंगल	10/03/2049
शुक्र	11/05/2007	सूर्य	11/02/2017	चंद्र	01/08/2033	मंगल	13/03/2040	राहु	29/03/2050
सूर्य	16/09/2007	चंद्र	13/10/2018	मंगल	06/12/2033	राहु	12/09/2041	गुरु	05/03/2051
चंद्र	16/04/2008	मंगल	13/12/2019	राहु	31/10/2034	गुरु	12/01/2043	शनि	13/04/2052
मंगल	12/09/2008	राहु	13/12/2022	गुरु	19/08/2035	शनि	12/08/2044	बुध	10/04/2053
राहु	30/09/2009	गुरु	13/08/2025	शनि	31/07/2036	बुध	12/01/2046	केतु	06/09/2053
गुरु	06/09/2010	शनि	12/10/2028	बुध	07/06/2037	केतु	13/08/2046	शुक्र	06/11/2054
शनि	16/10/2011	बुध	13/08/2031	केतु	13/10/2037	शुक्र	13/04/2048	सूर्य	14/03/2055
बुध	12/10/2012	केतु	12/10/2032	शुक्र	13/10/2038	सूर्य	12/10/2048	चंद्र	13/10/2055

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/10/2055		13/10/2073		13/10/2089		13/10/2108		14/10/2125	
13/10/2073		13/10/2089		13/10/2108		14/10/2125		00/00/0000	
राहु	25/06/2058	गुरु	01/12/2075	शनि	15/10/2092	बुध	12/03/2111	केतु	12/03/2126
गुरु	18/11/2060	शनि	13/06/2078	बुध	26/06/2095	केतु	08/03/2112	शुक्र	20/09/2126
शनि	25/09/2063	बुध	18/09/2080	केतु	03/08/2096	शुक्र	07/01/2115		00/00/0000
बुध	13/04/2066	केतु	25/08/2081	शुक्र	04/10/2099	सूर्य	14/11/2115		00/00/0000
केतु	02/05/2067	शुक्र	25/04/2084	सूर्य	16/09/2100	चंद्र	14/04/2117		00/00/0000
शुक्र	01/05/2070	सूर्य	11/02/2085	चंद्र	17/04/2102	मंगल	11/04/2118		00/00/0000
सूर्य	26/03/2071	चंद्र	13/06/2086	मंगल	27/05/2103	राहु	29/10/2120		00/00/0000
चंद्र	24/09/2072	मंगल	20/05/2087	राहु	02/04/2106	गुरु	03/02/2123		00/00/0000
मंगल	13/10/2073	राहु	13/10/2089	गुरु	13/10/2108	शनि	14/10/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 0 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के प्रथम चरण में जब मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था उस समय हुआ था। आपके जन्म काल धनु राशि का नवमांश एवं धनु राशि द्रेष्काण का प्रभाव पड़ रहा था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप अपना जीवन सुख पूर्वक आरामदायक वातवारण के साथ व्यतीत करेंगे।

बुनियादी तौर पर आप अपने कर्म पर विश्वास करने वाले प्राणी हैं। तथाकथित रूप से आप अपने जीवन को सेवा योग्य एवं मानवता युक्त विचार से संभावित रूप में व्यतीत करेंगे। अस्तु सह संभाव है कि आप अपने अगले पुनर्जन्म में ज्योतिर्मय आत्मा से प्रवेश करेंगे। अर्थात् वर्तमान जीवन के कार्य कलाप उत्तमता से प्रस्तुत कर संपादित करेंगे।

आप दुबले-पतले, औसतन लंबे, मांसल शरीर से युक्त, एक संयमी प्राणी होंगे। आप में अदम्य उत्साह, संभव शक्ति, संपन्न, आध्यात्मिक भावनाओं से युक्त, आत्मनिश्चयी, अपने उद्देश्य के पीछे चलने वाले तथा अपने कार्य कलापों को सीमा तक ले जाने वाले व्यक्ति हैं। आपकी यह जन्मजात प्रवृत्ति ईश्वरीय प्रदत्त है कि आप संभव प्रयत्नशील रहकर पूर्ण धन प्राप्त करके अपने कामप्रिय एवं सुखमय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप बुद्धिमान एवं उच्चकोटि के महत्वकांक्षी सत्तालोलुप प्राणी हैं। आप में अपनी पूर्ण योजनाओं अर्थात् कार्यकलापों को व्यवस्थित ढंग से सुविधापूर्वक संचालित करने की क्षमता विद्यमान हैं। आप में दूसरा यह गुण भी विद्यमान है कि आप चाहे कोई भी कार्य शुरू करने का निश्चय करते हैं। उसको निश्चित रूप से पूरा कर लेते हैं।

आप अपनी आंतरिक चतुरता से जिस कार्य में हाथ लगाते हैं। उसको कठोरता पूर्वक ग्रहण कर अन्दरूनी समस्याओं को समाधान करने में सक्षमता प्राप्त कर सकते हैं। आप किसी भी समस्याओं का समाना करने के लिए तथा अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु उसके पीछे पड़ जाते हैं। इस क्षण चाहे किसी की किसी भी प्रकार की अच्छी राय या सबक हो उसे कठोरता पूर्वक नकार देते हैं। आपको यह सहजता पूर्वक अपने-अपने कार्य के प्रति अग्रसर होना तथा परिस्थिति को नियंत्रित रखना, आपकी विशेष योग्यता का परिचायक है।

विशेषतः आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अपरिवर्तनीय आकर्षण से विपरीत योनि के कोई भी सदस्य आपकी विनोदप्रियता के कारण इच्छा रख कर भी प्रेमालिंगन नही कर पाते हैं। परंतु इसका यह अर्थ नही कि आपका दांपत्य जीवन भी अस्त व्यस्त है। अर्थात् आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्ण आस्थावान और समर्पित हैं।

आप अपनी माता के लिए सभी कुछ त्याग कर भी अपनी माता के साथ अच्छी प्रकार से तारतम्य मिलाकर अपने बच्चों एवं पत्नी को भी प्यार करते हैं। वास्तविकता तो यह है कि आपके कंधे पर पारिवारिक संपूर्ण दायित्व निर्भर है, तथा आपके द्वारा ही परिवार का प्रर्याप्त हित संभाव है।

आप मसालेदार और रूचिकर भोजन पसंद करते और बहुत अधिक खाते हैं।

स्वाभाविक रूप से बहुत भोजन करना, जिससे अच्छी पाचन क्रिया न हो वैसा भोजन आपके लिए दुःखकारक होगा। इसलिए वासी, अम्लीय खाद्य तथा अचार, मसाला युक्त व्यंजन नही ग्रहण करें। आपको सदैव और लगातार हरी शाक-सब्जी भोजन करना चाहिए। आपके लिए संचालित व्यवसाय से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्य, अथवा रसायनिक वस्तुओं का उत्पादन करना आपके लिए अनुकूल व्यवसाय होगा। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। सामान्यतया छोटी मोटी कोई चोट आदि की आशंका है। दुर्घटना से आपके माथे पर कोई गंभीर चोट न लग जाए। अतः आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव जागरूक रहना चाहिए। आपको सदैव ही भीड़-भार से बचकर अपेक्षित और सतर्कता पूर्वक पथ को पार करना चाहिए।

आपको अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर अपने सिरो वेदना के तकलीफ से छुटकारा पाने के लिए राय लेनी चाहिए। आपको साधारण तौर पर मस्तिष्क से संबंधित अथवा अनिद्रा जैसी छोटे रोग की संभावना है। आपको स्वस्थ जीवन बिताने के लिए संबंधित सतर्कता बरतनी चाहिए। स्वास्थ जीवन बिताने के लिए उपाय से अधिक रोग से बचाव करना श्रेयस्कर होगा।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।
आपके लिए व्यवहारणीय अंक 9 एवं 1 अंक भाग्यशाली अंक है।

आपके व्यवहार के लिए लाभदायक एवं अनुकूल रंग, लाल, ताम्रवर्णी, स्वर्णिम एवं पीला रंग के वस्त्रादि है। इसके अतिरिक्त काला रंग या काले रंग का वस्त्रादि आपके लिए अनुकूल नही हैं।